Pol. Sci 1/4/2020

Ch-1

Long Question

Q.17) विश्व की राजनीति मे शीतयुद्ध के प्रभावो का वर्णन करे।

Ans 1) शीतयुद्ध के दौरान हथियारो की होड़, शक्ति प्रदर्शन, देशो की गुटबन्दी तथा तनाव बने रहे। विश्व दो भागो मे बट गया। और साथ मे विश्व मे एक शक्ति संतुलन बना रहा।

2) शीतयुद्ध के दौरान कई संकट आये और कई लड़ाइयाँ हुई, लेकिन यह लड़ाई विश्व युद्ध के रूप मे नही हुई।

③ कई शान्ति प्रिय देशो ने मिल कर गुट निरपेक्ष आन्दोलन खड़ा किया।

④ कोरिया, वियतनाम और अफगानिस्तान जैसे कुछ क्षेत्रो मे व्यापक जनहानि हुई।

⑤ दोनो महाशक्ति के बीच शंका उत्पन्न हुई और हथियार जमा किए गए।

Q.18) शीत युद्ध और तनाव शैथिल्य में अंतर बताये।

Ans) शीत युद्ध के दौरान अमेरिका और सोवियत संघ दो महाशक्तियाँ बन गए। इन दोनो गुटो के बीच द्वेष व तनाव की स्थिति पैदा हुई जो किसी समय तीव्र

विश्व युद्ध का मार्ग खोल सकती थी। यह शीत युद्ध कहलाया।

कई बार, महाशक्तियाँ मोर्चों पर सीधे - सीधे मुठभेड़ की स्थिति में आ जाती थी, पर इस प्रकार के संघर्ष और कुछ गहन संकटों को टालने में अन्तर्राष्ट्रीय दबाव और समय पर दोनों गुटों की आपसी समझ ने कारगर भूमिका निभायी। धीरे - धीरे स्थिति सुधरी, परस्पर सहयोग और समन्वय बढ़ा शीत युद्ध की गरिमा घट गयी। यह तनाव शैथिल्य कहलाया।

Q(9) क्यूबा मिसाइल संकट क्या थी, समझायें।

Ans① क्यूबा अमेरिका के तट से लगा हुआ एक छोटा सा द्वीप देश है। 1962 में सोवियत संघ के नेता ख्रुश्चेव ने क्यूबा को रूप से सैनिक अड्डे के रूप में परिवर्तित करने का निर्णय किया और वहाँ पर परमाणु मिसाइलें तैनात कर दी।

ii) इन हथियारों के कारण अमेरिका सोवियत संघ के निकट निशाने पर आ गया, क्योंकि सोवियत संघ अमेरिका के ठिकानों और शहरों पर आक्रमण कर सकता था। अतः अमेरिका के ठिकानों और शहरों पर आक्रमण कर सकता था। अतः अमेरिका राष्ट्रपति कैनेडी व उनके परामर्शदाता

परमाणु मिसाइलों को क्यूबा से हटाने के पक्ष में थे। वे परमाणु युद्ध भी नहीं चाहते थे।

iii) अमेरिका जंगी बेड़ों को भेजकर सोवियत जहाजों को रोकने का निर्णय लिया।

iv) उस समय ऐसा लगता था कि परमाणु युद्ध हो सकता है परन्तु दोनों देशों ने बुद्धि और समझ से काम लिया सोवियत संघ के जहाजों ने अपनी गति कम कर दी या वापस चले गए। इस प्रकार यह संकट टल गया। यही संकट क्यूबा मिसाइल संकट नाम से प्रसिद्ध है।

Q20) शीत युद्ध काल मे कोरिया युद्ध का वर्णन

Ans कोरिया पर 1910 ई० से जापान का शासन था। द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति और जापान के आत्म समर्पण के बाद सोवियत संघ और अमेरिका मे यह सहमति बनी कि "अखिल कोरियाई प्रजातांत्रिक सरकार" बनने तक अपने-अपने सैन्य अभियान वाले क्षेत्रों पर नियंत्रण रखें। उत्तरी कोरिया पर सोवियत संघ का नियंत्रण था और दक्षिणी कोरिया पर अमेरिका का नियंत्रण था।

Scanned with CamScanner

Page
Date

लेकिन, चीन और सोवियत संघ की शह पर उत्तरी कोरिया ने दक्षिणी कोरिया पर आक्रमण कर दिया। अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र संघ में उत्तरी कोरिया को आक्रमणकारी घोषित करवा दिया। संयुक्त राष्ट्र ने कोरिया में संयुक्त सेना के माध्यम से शांति स्थापित करने का निर्देश दिया। अमेरिका सहित 21 देशों की सेनाओं ने उत्तरी कोरिया के कब्जे वाले क्षेत्रों को मुक्त कराया। लेकिन पुनः चीन और सोवियत संघ की शह पर उत्तर कोरिया ने दक्षिणी कोरिया के कई हिस्सों पर अपना कब्जा कर लिया। यह कब्जे और मुक्ति का दौर 1950 से 27 जुलाई 1953 तक चला।

Ch-1 complete. Next class 10/4/20

Ch-2 objective type questions.

Scanned with CamScanner